समस्या आर्कीटेक्ट प्राइवेट

1. आज हमारे भारत मे । आर्कीटेक्ट बनना । बुध्दिमत्ता की निशानी है । जो कठिन पढ़ाई के बाद । आर्कीटेक्ट बनने का । सपना पूरा होता है
2. आज हमारे देश मे । हर विषय की पढ़ाई होती है । लेकिन सदाचार के विषय की । पढ़ाई नही होती है ।
3. यदि थोडी बहुत होती भी है । तो पढ़े लिखे समझदार लोग । सदाचार के उपयोग को । जीवन मे अमल मे नही लाते ।
4. क्योंकी । अधिक से अधिक धन कमाने के लिए । सदाचार नियमों को ताक पर रख कर ही । अधिक से अधिक धन कमाया जा सकता है ।

आर्कीटेक्ट प्राइवेट कार्ड की विशेषताए

1. पी कार्ड धारक छात्र को आर्कीटेक्ट पास करके । आर्कीटेक्ट करने के लिए । ए के कार्ड यानी आर्कीटेक्ट कार्ड मिलेगा ।
2. प्राइवेट आर्कीटेक्ट को । सरकारी आर्कीटेक्ट नौकरी मिलने पर । ए के कार्ड भारत सरकार मे । जमा करना होगा ।
3. प्राइवेट आर्कीटेक्ट के ए के कार्ड मे । आर्कीटेक्ट के शिक्षा का । पूरा ब्योरा अंकित होगा ।
4. प्राइवेट आर्कीटेक्ट को । ए के कार्ड मे अंकित । आर्कीटेक्ट को किसी भी प्रोजेक्ट को । पूरा करने की जिम्मेदारी मिलेगी ।
5. प्राइवेट आर्कीटेक्ट को । ए के कार्ड मे अंकित । आर्कीटेक्ट को किसी भी प्रोजेक्ट को पूरा करने का । वेतन य मेहनताना मिलेगा । किसी भी आर्कीटेक्ट प्रोजेक्ट को । ए के कार्ड मे अंकित ही पूरा करना होगा ।
6. प्राइवेट आर्कीटेक्ट के । ए के कार्ड मे । किसी भी और व्यापार का व्योरा । अंकित नही होगा । सिर्फ आर्कीटेक्ट प्रोजेक्ट का व्योरा ही । अंकित होगा ।
7. और जो भी नियम लेखक को न मालूम हो । और जरूरी नियम हो । भारत सरकार की तरफ से ए के कार्ड मे डाले जा सकते है । क्योंकि लेखक आर्कीटेक्ट नही है ।

निर्दोश नागरिक

1. लेखक विश्व के । य भारत के । किसी भी नागरिक को । दोशी नही मानता है ।
2. चाहे । सत्ताधारी नेता । विपक्ष नेता । सहयोगी नेता । य छोटे बडे नेताओं । उच्च न्ययाधीश । से चपरासी तक । जल । थल । वायु । तीनो सेना । तीनो सेनाओं के अध्यक्ष रास्ट्रपती । से कांसटेबल तक । सत्ता रूढ पार्टी के । पी एम से लेकर । नगर सेवक । प्रधान तक । छोटे । य

मेरा भारत बलवान

Copy Right Diary Number 3968/2015-CO/L

3. बडे व्यापारी तक । हर सरकारी । य प्राइवेट कर्मचारी को । सरकारी य प्राइवेट डाक्टर । सरकारी य प्राइवेट वकील । सरकारी य प्राइवेट इन्जीनियर । सरकारी य प्राईवेट आर्कीटेक्ट । चार्टर्टेड एकाउन्टेड सी ए । छोटे किसान से लेकर । बडे किसान तक । भिखारी । से लेकर पूंजीपती तक । य अन्य किसी भी नागरिक को । किसी को भी दोशी नही मानता है ।
4. हर नागरिक । देश भक्त है । सभी नागरिक । टैक्स देकर । देश को चलाने मे मदद करते है ।
5. दोश सिर्फ । धन की । स्वेच्छिक आजादी का है । सिस्टम खराब है । सिस्टम मे दोश है ।
6. सिस्टम दोशी होने के कारण । विश्व का हर नागरिक । न चाहते हुए भी । मजबूरी मे । खराब सिस्टम मे फँसता है । और पिसता है । और गलत बन जाता है ।
7. लेखक । भारत सरकार को भी । दोशी नही मानता है । भारत सरकार भी । बिगडे हुए सिस्टम का एक हिस्सा है । इसीलिए । भारत सरकार का भी । कहीं कोई । दोश नही है ।
8. आज विश्व मे । हमारी मेहनत की कमाई । जिसके भी हाँथ मे । चली जाये । वही व्यक्ति । उस धन का । मालिक बन जाता है ।
9. जीसियो नियम से । हमारे मेहनत की कमाई । हमारे अलावा । विश्व का । कोई भी व्यक्ति उपयोग । नही कर सकता ।
10. आज धन । जिसके हाँथ मे होता है । वही उस धन का । मालिक होता है ।
11. इसीलिए लेखक । विश्व के । किसी भी नागरिक को । दोशी नही मानता है । सिर्फ । सिस्टम को दोशी मानता है ।
12. यदि । किसी समूह के बारे मे । य भारत सरकार के बारे मे । लिखा गया है । तो सिर्फ । समस्या को । उजागर करने के उद्देश्य से । लिखा गया है ।
13. किसी को भी । दोशी बनाने के उददेश्य से । नही लिखा गया है ।
14. फिर भी यदि । किसी भी समूह को । य भारत सरकार को । बुरा लगे तो । लेखक को माफ करना ।
15. क्योंकि समस्योंओं को । उजागर करना जरूरी है ।
16. जीसियो नियम व्दारा । सिस्टम को सही करने से । विश्व का । प्रत्येक नागरिक सही रहेगा । और । राहत की साँस लेगा ।
17. लेखक । भारत सरकार को भी । दोशी नही ठहराता । क्योंकि सिस्टम खराब है ।
18. लेखक का । भारत सरकार से अनुरोध है । कि सिस्टम को सही करके । विश्व अग्रणी होने की तरफ । पहला कदम उठाये ।

भारत का धन

1. भारत का धन । किसी भी । कार्ड से । लेन देन । भारत की सीमा के अंदर । भारतीय नागरिक से । भारत के किसी भी कार्ड से ही । लेन देन किया जा सकता है ।

मेरा भारत बलवान

Copy Right Diary Number 3968/2015-CO/L

2. भारत का धन को । भारत के बाहर । विदेश के । किसी भी कार्ड से । लेन देन नही । किया जा सकता है ।
3. भारत का धन । किसी भी । कार्ड से । धन । भारत के सीमा के बाहर । नही भेजा जा सकता ।
4. भारत का धन । किसी भी । कार्ड से । धन । भारत के सीमा के बाहर । विदेश के । किसी भी बैंक मे । नही जमा । किया जा सकता ।
5. भारत का धन । भारत की सीमा के बाहर । धन भेजने के लिए । किसी भी । कार्ड अंकित वैध धन को । भारत के विदेश मंत्रालय मे जमा करके । उस देश मे । चलित नोट रूपया ही । भेजे जा सकते है ।

विदेश का धन

1. विदेश का धन । भारत की सीमा के । बाहर का धन । भारत लाने के लिए । धन को । भारत के विदेश मंत्रालय मे । जमा करके । धन को किसी भी । कार्ड मे । अंकित कराना होगा ।
2. विदेश का धन । भारत के सीमा के बाहर के । किसी भी बैंक का धन । सीधे सीधे । भारत के किसी भी कार्ड मे । अंकित । जमा नही होगा ।
3. विदेश का धन । भारत के सीमा के बाहर के । विदेश के । किसी भी बैंक से । धन । भारत लाने के लिए । धन को । भारत के विदेश मंत्रालय मे जमा करके । धन को । किसी भी । कार्ड मे अंकित । जमा कराना होगा ।

ए के कार्ड धारक को बी कार्ड से दुकान

1. बी कार्ड धारक भारत के प्रत्येक । सरकारी नौकरी रहित । और खेती जमीन रहित । जरूरत मंद नागरिक को । सरकारी मदद 300 स्क्वायर फिट य इससे कम की की 1 दुकान मिलेगी । जिस पर बी कार्ड धारक का । आजीवन अधिकार होगा ।
2. सरकारी मदद भूमि । 300 स्क्वायर फिट य इससे कम की दुकान का । बी कार्ड धारक नागरिक को । कोई भाडा । कोई किराया । य कोई कीमत नही देना होगा । भारत सरकार को ।
3. बी कार्ड धारक भारतीय नागरिक । उस दुकान पर कोई भी । व्यापार करके । अपनी जीविका चला सकता है ।
4. बी कार्ड धारक भारतीय नागरिक को । सरकारी मदद भूमि । 300 स्क्वायर फिट य इससे कम की । 1 ही दुकान मिलेगी ।

ए के कार्ड धारक को बी कार्ड से अधिक जमीन

1. बी कार्ड धारक भारतीय नागरिक को । अधिक जमीन उपयोग करने के लिए । भारत सरकार नगर पालिका से । सरकारी मदद अधिक जमीन मिलेगी । उस अधिक जमीन का । बी कार्ड धारक भारतीय नागरिक को । 1 रू स्क्वायर फिट के हिसाब से हर महीने । बी कार्ड से । अधिक जमीन का किराया ।

Copy Right Diary Number 3968/2015-CO/L

2. भारत सरकार नगर पालिका के । एन कार्ड मे जमा करना होगा ।

अधिक जमीन का निर्माण कार्य व खर्चा

1. अधिक जमीन को । बी कार्ड धारक । आजीवन के लिए ले सकता है । 1 रू स्क्वायर फिट के हिसाब से हर महीने । बी कार्ड से । अधिक जमीन का किराया देकर ।
2. अधिक जमीन का निर्माण कार्य । व मरम्मत खर्चा । बी कार्ड धारक । स्वय् करवायेगा ।
3. भारत सरकार का अधिक जमीन के । निर्माण कार्य । व मरम्मत खर्चा मे । कोई योगदान नही होगा ।

ए के कार्ड रहित सरकारी नौकरी

1. ए के कार्ड धारक भारतीय नागरिक । यदि सरकारी नौकरी करना चाहता है । तो उसे ए के कार्ड की सारी सम्पत्ती को । पी कार्ड मे जमा कराना होगा । तथा ए के कार्ड भारत सरकार मे जमा करना होगा ।
2. तब उसे पी कार्ड अंकित सरकारी नौकरी मिलेगी ।

ए के कार्ड धारक आर्कीटेक्ट को बैंक का कर्जा

1. ए के कार्ड धारक आर्कीटेक्ट को । यदि धन की आवस्यकता है । तो बैंक नियमानुसार । बैंक 24 घन्टे धन ले सकता है । इंजीनियर । धन ब्याज के साथ । बैंक का कर्जा बैंक के एकाउन्ट मे । ए के कार्ड व्दारा वापस करेगा । इंजिनियर सिर्फ बैंक से ही धन ले सकता है । किसी भी व्यक्ति से धन नही ले सकता ।
2. ए के कार्ड आने से । नगद धन । हांथ से हांथ धन देने की । सुविधा बन्द हो जाएगी ।

ए के कार्ड धारक की सेवा निवृत्ती

1. ए के कार्ड धारक किसी भी आर्कीटेक्ट की । 60 वर्ष उपरान्त सेवा निवृत्ती होगी ।

ए के कार्ड धारक का <u>प्रथम</u> बैंक कर्जा

2. ए के कार्ड धारक किसी भी आर्कीटेक्ट का । यदि बैंक का कर्जा बाकी है । तो <u>प्रथम</u> बैंक का कर्जा । ब्याज के साथ वापस किया जायेगा ।

<u>जोसियो नियम से । प्राइवेट ए के कार्ड धारक आर्कीटेक्ट के सामने । यदि रिस्वत के रूप मे । भारत की पूरी सम्पत्ती रख दी जाये । किसी घटिया प्रोजेक्ट को पास करने के लिए ।</u>

<u>तो भी प्राइवेट ए के कार्ड धारक आर्कीटेक्ट । रिस्वत लेकर घटिया प्रोजेक्ट को पास नही कर सकता ।</u>

जय विश्व अग्रणी भारत की

Copy Right Diary Number 3968/2015-CO/L